

**नरमदा** पुं. (तत्.) दे. नर्मदा।

**नरमरोआँ** पुं. (देश.+तद्.) बुनाई के लिए भेड़-बकरियों का लाल या सफेद रंग का रोआँ जो सदा बहुत मुलायम होता है।

**नरम लोहा** पुं. (देश.+तद्.) आग में लाल करके हवा में ठंडा किया हुआ लोहा जो मुलायम होता है।

**नरमा** स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार की कपास जिसे मनवा, देवकपास या राम कपास भी कहते हैं 2. सेमर की रुई 3. कान के नीचे का भाग 4. एक प्रकार की ईख।

**नरमाई** पुं. (देश.) दे. नरमी।

**नरमाना** स.क्रि. (देश.) 1. नरम करना, मुलायम करना 2. शांत करना, धीमा करना अ.क्रि. नरम/मुलायम/शांत होना।

**नरमानिनी** स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जिसकी मूँछ या दाढ़ी हो।

**नरमाला** स्त्री. (तत्.) नरमुंडों की माला, मुंडमाल, मनुष्यों के कपाल, खोपड़ी की माला।

**नरमालिनी** स्त्री. (तत्.) 1. नरमुंडों की माला पहनने वाली 2. दाढ़ी-मूँछ वाली स्त्री, मर्दानी स्त्री।

**नरमाबड़ी** स्त्री. (देश.) बन कपास।

**नरमी** स्त्री. (फा.) 1. नरम होने का भाव, मुलायमियत, कोमलता, मृदुता विलो. कठोरता।

**नरमेध** पुं. (तत्.) एक प्रकार का यज्ञ जिसमें प्राचीन काल में मानव मांस की आहुति दी जाती थी, चैत्र शुक्ल दशमी से प्रारंभ यह यज्ञ चालीस दिन में समाप्त होता था।

**नरयंत्र** पुं. (तत्.) सूर्य सिद्धांत के अनुसार एक प्रकार का शंकु यंत्र जिसका व्यवहार धूप का समय जानने के लिए होता था।

**नरयान** पुं. (तत्.) आदमी द्वारा खींची या ढोई जाने वाली सवारी जैसे पालकी या डोली।

**नरलोक** पुं. (तत्.) मनुष्यो का लोक, मृत्युलोक, संसार।

**नरवई** पुं. (तद्.) नरपति, राजा।

**नरवध** पुं. (तत्.) मनुष्यों का वध, हत्या।

**नरवरी** स्त्री. (देश.) क्षत्रियों की एक जाति।

**नरवा** पुं. (देश.) एक प्रकार की चिड़िया।

**नरवाई** स्त्री. (देश.) घास-फूस।

**नरवाह** पुं. (तत्.) वह सवारी जिसे मनुष्य खींच या ढोकर ले चले जैसे- पालकी।

**नरवाहन** पुं. (तत्.) 1. मनुष्य द्वारा खींची या ढोई जाने वाली सवारी 2. कुबेर 3. किन्नर 4. वत्स नरेश उदयन का पुत्र।

**नरविश्वण** पुं. (तत्.) राक्षस।

**नरवीर** पुं. (तत्.) वीर मनुष्य, बहादुर आदमी, योद्धा।

**नरव्याघ्र** पुं. (तत्.) दे. नरकेशरी।

**नर शक्र** पुं. (तत्.) नरेंद्र, राजा, नृप।

**नरशार्दूल** पुं. (तत्.) दे. नरकेशरी।

**नरशृंग** पुं. (तत्.) मनुष्य के सींग होने जैसी असंभव बात।

**नरसंसर्ग** पुं. (तत्.) मनुष्य समाज।

**नरसख** पुं. (तत्.) नर के सखा नारायण।

**नरसार** पुं. (तत्.) नौसादर।

**नरसिंग** पुं. (देश.) एक प्रकार का विलायती फूल।

**नरसिंघ/नरसिंह** पुं. (तद्./तत्.) दे. नरकेशरी।

**नरसिंह ज्वर** पुं. (तत्.) वैद्यक के अनुसार चौथिया चातुर्थिक का उलटा एक ज्वर, जो तीन दिन तक चढ़ा रहकर चौथे दिन उतर जाता है, और यही क्रम चलता रहता है।